



*COVID-19 गंभीर श्वसन रोग निवारण एवं नियंत्रण
दिशानिर्देश*

संक्रमण नियंत्रण हेतु अपनाए जाने वाली मानक सावधानियाँ एवं निर्देश

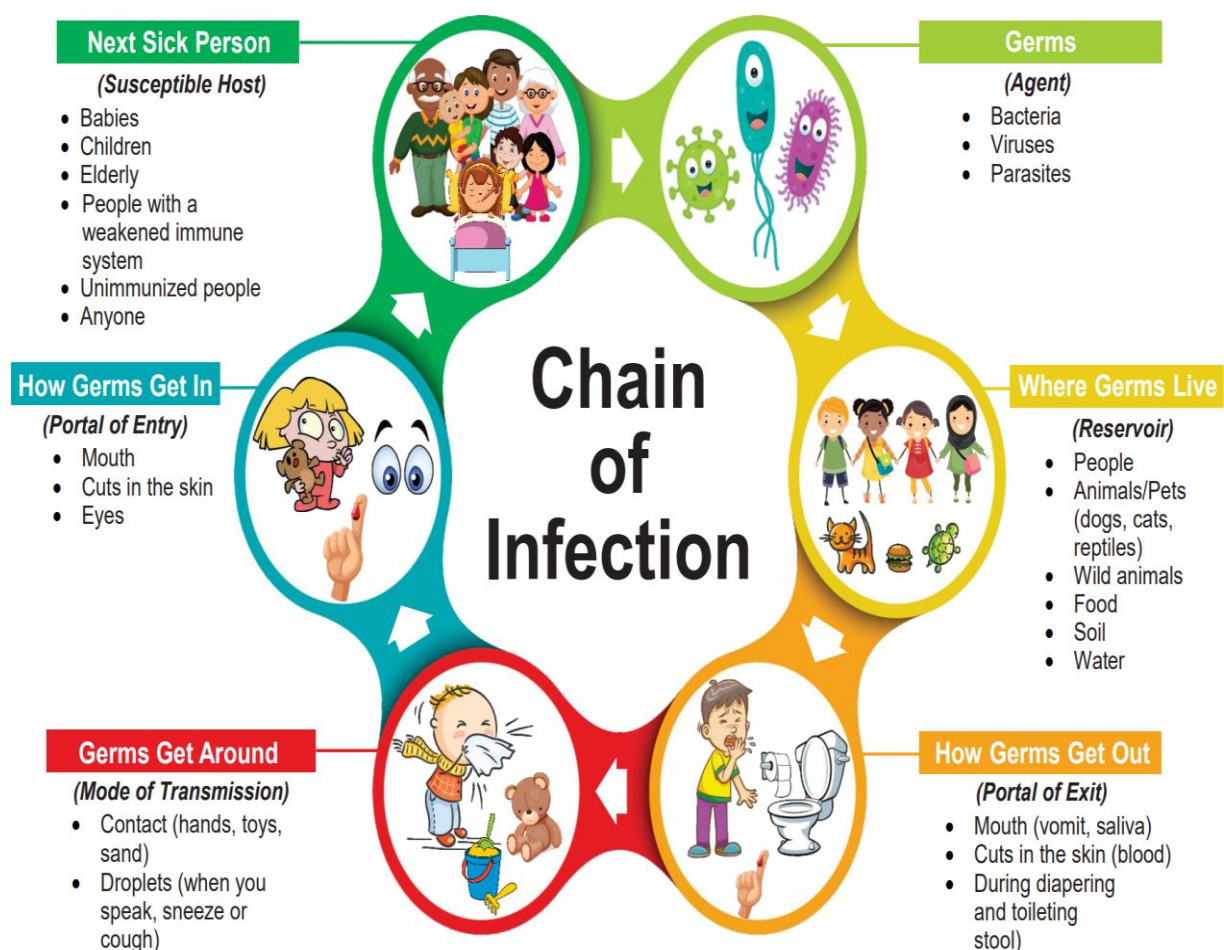
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय मध्य प्रदेश शासन

*COVID-19 गंभीर श्वसन रोग निवारण एवं नियंत्रण दिशानिर्देश***संक्रमण नियंत्रण में अपनाई जाने वाली मानक सावधानियाँ**

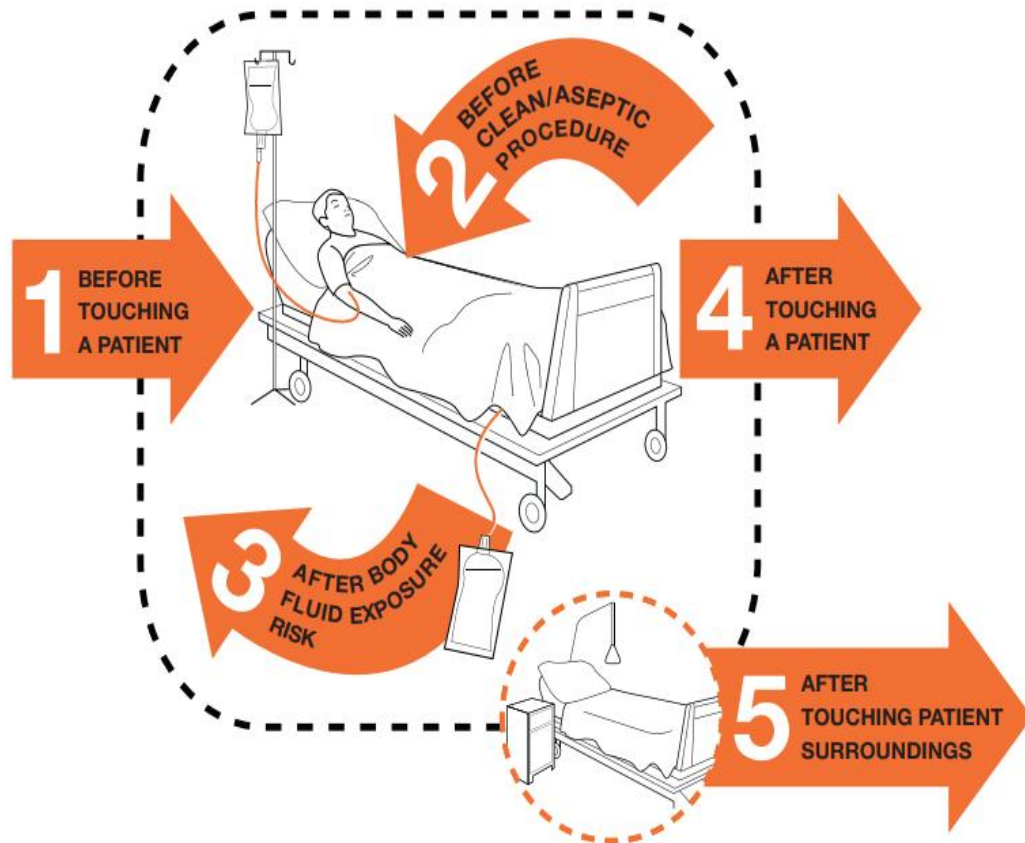
- हाथ स्वच्छता
- श्वसन स्वच्छता (शिष्टाचार)
- जोखिम के अनुसार पीपीई का उपयोग
- सुरक्षित इन्जेक्शन प्रक्रिया, शार्प प्रबंधन और चोट की रोकथाम
- रोगियों के उपचार में उपयोग की जाने वाले उपकरणों का सुरक्षित संचालन, सफाई एवं विसंक्रमण
- पर्यावरण की सफाई
- मैले लिनन की सुरक्षित हैंडलिंग और सफाई
- अपशिष्ट प्रबंधन

हैंड हाइजीन

- स्वास्थ्य संस्थाओं एवं समुदाय में विषाणु के प्रसार को रोकने हेतु हाथों की स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण है।
- स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के रूप में सेवा प्रदयगी के लिए हमारे हाथ सबसे महत्वपूर्ण अंग एवं उपकरण है एवं हाथ रोग संचरण शृंखला में अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है।



Your 5 Moments for Hand Hygiene



1	BEFORE TOUCHING A PATIENT	WHEN?	Clean your hands before touching a patient when approaching him/her.
		WHY?	To protect the patient against harmful germs carried on your hands.
2	BEFORE CLEAN/ASEPTIC PROCEDURE	WHEN?	Clean your hands immediately before performing a clean/aseptic procedure.
		WHY?	To protect the patient against harmful germs, including the patient's own, from entering his/her body.
3	AFTER BODY FLUID EXPOSURE RISK	WHEN?	Clean your hands immediately after an exposure risk to body fluids (and after glove removal).
		WHY?	To protect yourself and the health-care environment from harmful patient germs.
4	AFTER TOUCHING A PATIENT	WHEN?	Clean your hands after touching a patient and her/his immediate surroundings, when leaving the patient's side.
		WHY?	To protect yourself and the health-care environment from harmful patient germs.
5	AFTER TOUCHING PATIENT SURROUNDINGS	WHEN?	Clean your hands after touching any object or furniture in the patient's immediate surroundings, when leaving – even if the patient has not been touched.
		WHY?	To protect yourself and the health-care environment from harmful patient germs.



World Health Organization

Patient Safety

A World Alliance for Safer Health Care

SAVE LIVES
Clean Your Hands

हैन्ड हाईजिन

हाथों की सफाई दो तरीके से की जा सकती है

हैंड रब अथवा हैंड वॉश द्वारा

- **हैन्ड रब –**

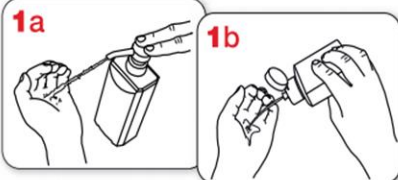
- हाथ अत्यधिक गंदे ना होने पर अल्कोहल बेस्ड हैन्ड रब से 20 से 30 सेकंड तक हाथों को अच्छी तरह से रब करें।

- **हैन्ड वॉश –**

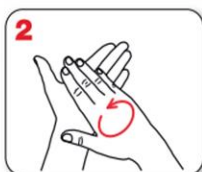
- हैन्ड वाश के लिए सही प्रोडक्ट का उपयोग करें।
- पानी एवं साबुन का उपयोग कर 40 से 50 सेकंड तक अच्छी तरह से हैन्ड वॉश करें एवं हैन्ड वॉश करने के पश्चात हाथों को पोंछने के लिए डिस्पोज़ल नेपकिन का उपयोग करें।

How to handrub?

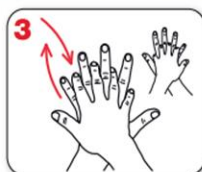
WITH ALCOHOL-BASED FORMULATION



Apply a palmful of the product in a cupped hand and cover all surfaces.



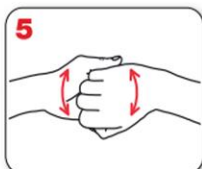
Rub hands palm to palm



right palm over left dorsum with interlaced fingers and vice versa



palm to palm with fingers interlaced



backs of fingers to opposing palms with fingers interlocked



rotational rubbing of left thumb clasped in right palm and vice versa



rotational rubbing, backwards and forwards with clasped fingers of right hand in left palm and vice versa



rinse hands with water



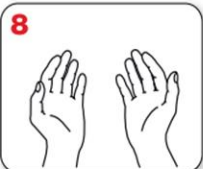
dry thoroughly with a single use towel



use towel to turn off faucet



20-30 sec



...once dry, your hands are safe.



40-60 sec



...and your hands are safe.








WHO acknowledges the Hôpitaux Universitaires de Genève (HUG), in particular the members of the Infection Control Programme, for their active participation in developing this material.



World Health Organization

October 2006, version 1.

रेस्पायरेटरी हाईजीन एवं शिष्टाचार

-  खाँसते एवं छींकते समय डिस्पोज़ल टिशू का उपयोग करें अन्यथा यदि आपने पूरे आस्तीन का वस्त्र पहन हो तो मुँह को कोहनी से ढकें।
-  उपयोग किए गए टिशू को पीले रंग के कवर्ड डस्टबिन में डालें।
-  खाँसने / छिकने के पश्चात हाथों को साबुन एवं पानी से धोएं या अल्कोहल बेस्ड हैन्ड वॉश से रब करें।
-  संस्था में श्वसन / रेस्पायरेटरी हायजीन को बढ़ावा देने के लिए समस्त स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं मरीजों को मास्क उपलब्ध कराएं।
-  ऐसे मरीज जिन्हें सर्दी, खाँसी, बुखार या अन्य रेस्पायरेटरी सिन्ड्रोम हैं उन्हें अन्य मरीजों से पृथक रखा जाए या यसे मरीजों से चारों दिशाओं में न्यूनतम एक मीटर की दूरी रखी जाएँ।

कोरोना वायरस (COVID – 19) के संचारण से बचाव हेतु उपयोगी व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (Personal Protective Equipment)



- ✚ व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) के उपयोग हेतु 5 हैंड मूवमेंट का पालन करें।
- ✚ व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) को उपयोग करने के पश्चात तुरंत निकाल कर लाल रंग के कवर्ड डस्ट्बिन में डालें।
- ✚ उपयोग किए गए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) को पुनः उपयोग नहीं किया जाएं
- ✚ व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) के कटने फटने या खराब हो जाने पर इसे तुरंत उतार कर नया व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) धारण करें
- ✚ व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) को पहनने के पश्चात चेहरे व अन्य स्वच्छ सतह को ना छुएन।

- ✚ व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) को सही तरीके से पहना एवं उतारा जाएं
- ✚ व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) को उपयोग उपरांत पीले रंग के डस्ट्बिन में जैव अपशिष्ट प्रबंधन नियम (2016) एवं संशोधन (2018) का पालन करते हुए निस्तारित किया जाएं।

Minimize direct unprotected exposure to blood and body fluids

Scenario	Hand Hygiene	Gloves	Gown	Medical Masks	Eye Wear
Always before and after patient contact, and after contaminated environment					
If direct contact with blood and body fluids, secretions, excretions, mucous membranes, non-intact skin					
If there is risk of splashes onto the health care worker's body					
If there is a risk of splashes onto the body and face					

Environmental Cleaning, विसंक्रमण एवं जैव अपशिष्ट प्रबंधन

सामान्य सिद्धांत -

- ✚ हेल्थ केयर पर्यावरण में विभिन्न प्रकार के सूक्ष्मजीवों की प्रचुर संख्या में उपस्थित होते हैं, लेकिन इन सूक्ष्मजीवों में केवल कुछ ही सूक्ष्मजीव रोगजनक होते हैं।
- ✚ हेल्थ केयर संस्थानों की दूषित सतह इन रोगजनक सूक्ष्मजीवों की वृद्धि में सहायक होता है।
- ✚ इन दूषित सतहों से रोगजनक सूक्ष्मजीवों का स्थानांतरण अधिकतर हाथ के माध्यम से संचारित होता है अतः इस संचरण को रोकने के लिए हाथों की स्वच्छता का ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- ✚ COVID-19 वायरस संभवतः पर्यावरण में कई घंटों (8-24 घंटे) तक जीवित रह सकता है।
- ✚ ऐसे परिसर एवं दूषित स्थान जो विषाणु (Virus) से संक्रमित हो सकता हो ऐसे स्थानों को पुनः उपयोग करने से पूर्व विसंक्रमित किया जाना आवश्यक है।
- ✚ रोगनुरोधी एजेंट जैसे (1 से 2 % हाइपोक्लोराइट घोल) कोरोना वायरस को नष्ट कर सकते हैं अतः इनका उपयोग किया जा सकता है।
- ✚ परिसर की सफाई हेतु स्टैण्डर्ड क्लीनिकल प्रोटोकॉल का पालन किया जाए।

- ✚ स्वास्थ्य संस्थानों में दैनिक सफाई हेतु निर्धारित प्रोटोकॉल का उपयोग किया जाए।
- ✚ परिसर में फर्श की सफाई हेतु 3 बकेट ट्रॉली सिस्टम का पालन किया जाना सुनिश्चित करें।
- ✚ आइसोलेशन कक्ष एवं क्रिटिकल केयर कक्ष जैसे प्रसव कक्ष, ऑपरेशन कक्ष आदि को 1 से 2 % हाइपोक्लोराइट घोल से दिन में कम से कम तीन बार मॉप करें।
- ✚ आइसोलेशन कक्ष एवं क्रिटिकल केयर कक्ष जैसे प्रसव कक्ष, ऑपरेशन कक्ष आदि में उपयोग आने वाले 3 बकेट ट्रॉली पृथक अलग रखी जाएँ।




पर्यावरण प्रदूषण –

स्वास्थ्य संस्थानों की सतहों को दो समूहों में विभाजित किया जा सकता है -

- ✚ हाथ से कम संपर्क में आने वाली सतह – फर्श एवं छत
- ✚ उच्च संपर्क सतह – लगातार हाथों के संपर्क में आने वाली सतह / वस्तुएं जैसे दरवाजों के हैंडल, बिस्तर की रैलिंग, बिजली के बटन, टेबल, परदे, आदि को बार बार किटाणुरहित किया जाना चाहिये।

चिकित्सकीय उपकरणों की सफाई एवं विसंक्रमण -

स्वास्थ्य संस्थाओं को साफ एवं संक्रमण मुक्त रखने के साथ साथ उपचार के दौरान चिकित्सकीय उपयोग में आने वाले उपकरणों, औजारों एवं अन्य संसाधनों को पूर्ण रूप से विसंक्रमित करना अत्यंत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है।

-  चिकित्सकीय उपकरणों को उपयोग करने से पूर्व विसंक्रमित कर ऑटोक्लेव किया जाए।
-  नॉन क्रिटिकल चिकित्सकीय उपकरण जैसे स्टेथोस्कोप, बीपी इन्स्ट्रूमेंट, एवं उपकरणों के मोब को 1 से 2 % हाइपोक्लोराइट घोल से विसंक्रमित किया जाए।
-  इथाईल अल्कोह या आइसोप्रोपाइल अल्कोहल (60 – 90 % v/v) को छोटी सतहों जैसे multiple – dose medication vials के रबर स्टाम्प एवं थर्मामीटर को विसंक्रमित करने की लिए उपयोग किया जाएँ

कोरोना वायरस (COVID – 19) के आइसोलेशन वार्ड एवं क्वॉरन्टीन सेंटर

करने हेतु दिशानिर्देश –

स्थान	सांद्रता	अवधि	असंक्रमित करने का तरीका
फर्श	डिटर्जेंट, सोडियम हाईपोक्लोराईड १-२ %	दिन में ०२ से ०३ बार	पहली बाल्टी में डिटर्जेंट सॉल्यूशन से मॉपिंग करें इसके बाद दूसरी बाल्टी में साफ पानी से मॉप कर साफ करें व उसे निचोड़े। फिर तीसरी बाल्टी के सोडियम हाईपोक्लोराईड घोल में डुबोकर पोछा लगायें। आइसोलेशन कक्षा में हर बार मॉपिंग करने के लिए साफ पानी, ताजा हाईपोक्लोराईड घोल व डिटर्जेंट घोल का उपयोग करें। पानी गंदा होने पर बदलें। कमरे के कोनों से दरवाजे की तरफ आते हुए साफ करें।
छत	डस्टर, छोटी बाल्टी, साबुन पानी	डेम्प व मासिक	डेम्प डस्टिंग लम्बे हैंडल वाले डस्टर से सप्ताह में एक बार साफ करें।
नोट:- मॉप को गर्म पानी व डिटर्जेंट से धोयें व १-२ % सोडियम हाईपोक्लोराईड में डुबाएं।			
दरवाजे व दरवाजे के हैंडल व अन्य सतह	डेम्प, स्पंज, डिटर्जेंट, १-२ % हाईपोक्लोराईड घोल	प्रतिदिन दिन में ३ बार साफ करें व डोर हैंडल बार बार साफ करें।	साबुन पानी से धोये व १-२ % हाईपोक्लोराईड घोल से पोछें
हाईपोक्लोराईड से पोछें।			
आइसोलेशन कक्षा स्क्रीन, बेड, फर्नीचर व टॉयलेट	डिटर्जेंट/पानी, सोडियम हाईपोक्लोराईड ०३ बकेट सिस्टम एवं १-२ %	टर्मिनल वलीनिंग	पीपी.ई. पहन कर समस्त फर्नीचर, फिवशवर, दरवाजे, बैड रैलिंग, बैड पैन इत्यादि सभी को डिटर्जेंट घोल से धोकर १-२ % सोडियम हाईपोक्लोराईड से असंक्रमित करें।

दरवाजे, हेन्डल आदि	सोडियम हाइपोक्लोराईड		
स्ट्रेचर, व्हील चेयर, ट्रॉली, ऑक्सीजन सिलेण्डर	डिटर्जेंट/पानी, १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराईड ०३ बकेट सिस्टम द्वारा	उपरोक्तानुसार टर्मिनल वलीनिंग	पी.पी.ई. पहन कर समस्त फर्नीचर, फ़िक्सर, दरवाजे, रैलिंग, बैड पेन, ऑक्सीजन सिलेण्डर इत्यादि सभी को डिटर्जेंट घोल से धोकर १-२ % सोडियम
आईसोलेशन कक्षा की फॉनिंग	हाईड्रोजन परॉक्साइड +सिल्वर नाइट्रेट सॉल्यूशन, फॉनिंग मशीन	मरीज के कक्षा खाली करने पर	ओ.टी. की फॉनिंग गाईडलाईन अनुसार करें। २०० उसे वसनजपवद एवं ८०० उस पानी १००० वयूबिक फीट के कमरे के मान से फॉनिंग करें।
उपकरण :-			
स्ट्रेथस्कोप	अल्कोहल सेनेटाईजर/स्प्रेट	सफाई करें	डिटर्जेंट से धो भी सकते हैं। हर मरीज के बाद साफ करें व संक्रमित मरीज की जांच के बाद अल्कोहल बेस्ड सेनेटाईजर से साफ करें।
बी.पी. उपकरण कॅफ	डिटर्जेंट / अल्कोहल बेस्ड सेनेटाईजर	प्रतिदिन	डिटर्जेंट से धो भी सकते हैं। हर मरीज के बाद साफ करें व संक्रमित मरीज की जांच के बाद अल्कोहल बेस्ड सेनेटाईजर से साफ करें।
थर्मामीटर	डिटर्जेंट, पानी अल्कोहल	हर बार उपयोग के बाद	हर मरीज की जांच के पहले धोये व अल्कोहल से साफ करें। कोशिश करें कि एक मरीज के लिए एक थर्मामीटर हो।
इंजेक्शन एवं ड्रेसिंग, ट्रॉली	डिटर्जेंट, पानी	प्रतिदिन	डिटर्जेंट एवं पानी के घोल से धोये एवं प्रत्येक उपयोग के बाद असंक्रमित करें।
पलंग	डैम्प डस्टर १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराईड	प्रतिदिन	मरीज के डिस्चार्ज पर डिटर्जेंट एवं पानी के घोल द्वारा असंक्रमित किया जाए।

फ्रिज	डिटर्जेंट ट, पानी	साप्ताहिक	डिटर्जेंट एवं पानी से साफ करें एवं १-२: सोडियम हाइपोक्लोराइट से पोछें एवं डिफ्रस्ट करें।
लॉकर, कैंबर्ड, अलमारी, बैन्च,	डैम्प डस्टर/ डिटर्जेंट, पानी	साप्ताहिक या मरीज के डिस्चार्ज होने पर	डैम्प डस्टिंग डिटर्जेंट एवं पानी के घोल द्वारा
पलंग	डैम्प डस्टर १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराइट	प्रतिदिन	मरीज के डिस्चार्ज पर डिटर्जेंट एवं पानी के घोल द्वारा असंकमित किया जाए।
रैलिंग	डिटर्जेंट, पानी डैम्प, डस्टिंग, १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराइट	डैम्प डस्टिंग साप्ताहिक या मरीज के डिस्चार्ज होने पर	डैम्प डस्टिंग डिटर्जेंट एवं पानी के घोल द्वारा
सिन्क व स्टील के अन्य वस्तुएँ	डिटर्जेंट पाउडर, कपडा	प्रतिदिन	डिटर्जेंट पाउडर से साफ करें।
डेस्क, कुर्सी कपडे	डस्टिंग १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराइट	प्रतिदिन	कपडे से साफ करे एवं प्रति सप्ताह व मरीज के डिस्चार्ज पर डिटर्जेंट एवं पानी के घोल द्वारा पोछ कर १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराइट से असंकमित किया जाए।
टॉयलेट सीट, बैड पेन	डिटर्जेंट एवं १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराइट	प्रतिदिन-३ बार	डिटर्जेंट एवं पानी से साफ करें एवं उसके बाद १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराइट से असंकमित किया जाए।
नल	डिटर्जेंट एवं १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराइट	प्रतिदिन	डिटर्जेंट एवं पानी से साफ करें एवं उसके बाद १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराइट से असंकमित किया जाए।
वॉश बेसिन	डिटर्जेंट एवं १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराइट	प्रतिदिन	डिटर्जेंट एवं पानी से साफ करें एवं उसके बाद १-२ % सोडियम हाइपोक्लोराइट से असंकमित किया जाए।

अस्पताल जैविक कचरा प्रबंधन

(जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2018 अनुसार)

अपशिष्ट का पृथक्करण निम्नानुसार किया जाना चाहिए



मानव अंग एवं तंतु, मरहम पट्टी, प्लास्टर कास्ट, कॉटन स्वॉब, ब्लड बैग, रक्त से संक्रमित कपड़े/पेड़ इत्यादि

एक्सपायर्ड दवाइयों को घुसक से नॉन-क्लोरीनेटेड पॉलीथिन या कंटेनर में निष्कासित किया जाना है।



संक्रमित प्लास्टिक अपशिष्ट (रिसाइक्लेबल) जैसे प्लास्टिक, द्युबिंग, डिप सेट, इन्ट्रावीनस द्युब और सेट, कैथेटर, मूत्र बैग, सीरिजिस (जिसकी सुई कली हुई हो), वेक्जुनेनर्स और दस्ताने इत्यादि।



कॉच के अपशिष्ट, धातु जैसे - इन्जेक्शन के एम्प्यूल, वॉयल, पैथोलोजी की कॉच की स्लाइड, टेस्ट द्युब, दवाइयों की कॉच की खाली या टूटी शीशी।



नुकीले अपशिष्ट जैसे- सुई, ब्लेड, स्केपल एवं अन्य धारदार संक्रमित वस्तुओं को CBWTF - अनुबंधित एजेंसी को देते।

सामान्य अपशिष्ट प्रबंधन



सामान्य कचरा -
कागज, साधारण थैली, ग्लास एवं डिस्पोजल सिरिज का रेपर इत्यादि।



गीला कचरा -
फल, सब्जियों के छिलके, बचा हुआ खाना इत्यादि।

Dos and Don'ts

- ✓ अपशिष्ट खुले में न रखें।
- ✓ डीप बरियल पानी के स्रोत से दूर रखें।
- ✗ बायो मेडिकल अपशिष्ट एवं सामान्य अपशिष्ट आपस में न मिलायें।
- ✗ इन्सीनेटर में जाने वाले पीले थैले के बैर को रसायनिक से उपचारित न करें।

विशेष नोट :

- * ऐसी स्वास्थ्य संस्था जिनमें अनुबंधित संस्था (CBWTF) द्वारा अपशिष्ट निष्कासन की व्यवस्था उपलब्ध है, उन संस्थाओं को अपशिष्ट के on-site treatment की आवश्यकता नहीं है।
- * ऐसी स्वास्थ्य संस्था जिनमें CBWTF सुविधा नहीं है, उन संस्थाओं को अपशिष्ट का निष्कासन (Yellow वर्ग को छोड़कर) on-site treatment करने के उपरान्त ही किया जाना है।
- * ऐसी स्वास्थ्य संस्था जिनमें अनुबंधित संस्था (CBWTF) द्वारा अपशिष्ट निष्कासन की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है, उन स्वास्थ्य संस्थाओं को लाल, नीले व सफेद रंग के अपशिष्ट को on-site treatment कर ही निष्कासित करें। शार्प अपशिष्ट असंक्रमित कर शार्प पिट में निष्कासित किया जाये।

